BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:.................... Date:..........................

PRINT MEDIA COVERAGE ON B.R.A.BIHAR UNIVERSITY NEWS

COMPILED BY MEDIA CELL (27/08/2024)

DAINIK BHASKAR,MUZAFFARPUR, DATE -27/08/2024, PAGE - 04

इंटीग्रेटेड बीएड के 7वें सेमेस्टर में 1-2 अंक से दर्जनों छात्र प्रमोट, नाराजगी

छुट्टी के दिन पहुंचे कुलपति आवास, नहीं हो सकी मुलाकात तो निराश लौटे

एजुकेशन रिपोर्टर | मुजफ्फरपुर

बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के 4 वर्षीय इंटीग्रेटेड बीएड सत्र 2020-24 के दर्जनों छात्रों के भविष्य पर संकट मंडराने लगा है। 7वें सेमेस्टर में ये छात्र 1-2 अंक से प्रमोट कर दिए गए हैं। सोमवार को छुट्टी के दिन भी काफी संख्या में छात्र कुलपति से मिलने पहुंचे। उनकी मांग है कि उन्हें ग्रेस मार्क देकर उत्तीर्ण घोषित किया जाए। साथ ही 27 अगस्त से शुरू हो रही 8वें सेमेस्टर की परीक्षा में शामिल कराया जाए। कुलपति से मुलाकात नहीं हो पाने के कारण उन्हें निराश लौटना पड़ा। उनका आरोप है कि उन्हें जान-बूझकर फेल कर दिया गया है। आरटीआई से कॉपी निकालेंगे, तब भी समय बर्बाद हो जाएगा। यदि अभी 8वें सेमेस्टर की परीक्षा में शामिल नहीं हुए, तो उनकी तैयारी बेकार चली जाएगी। बिहार छात्र संघ के जिला महामंत्री ओमप्रकाश के साथ विश्वविद्यालय पहुंचे छात्रों ने बताया कि 15 अगस्त को 7वें सेमेस्टर का परिणाम जारी किया गया और 27 अगस्त से 8वें सेमेस्टर की परीक्षा घोषित कर दी गई। छात्र हिमांशु, सुधांशु, रोहित, अमन, शुभम, सौरव, नीतीश आदि ने बताया कि कुलपति से मिलने उनके आवास पर पहुंचे, तो गार्ड ने बताया कि वे देर रात तक आएंगे। इसके पहले परीक्षा नियंत्रक और कुलसचिव से मिल चुके हैं, लेकिन उनका कहना है कि कुलपति ही इस मामले में कोई निर्णय ले सकते हैं।

विश्वविद्यालय पहुंचे इंटीग्रेटेड बीएड के छात्र।

गेस्ट टीचर को बनवा दिया सीनेट चुनाव का वोटर

मुजफ्फरपुर | आरएसएस महिला कॉलेज सीतामढ़ी के 4 गेस्ट टीचर को विश्वविद्यालय सीनेट चुनाव के लिए वोटर बनवा दिया गया है। बताया जा रहा है कि कॉलेज से 4 नियमित शिक्षकों का नाम मांगा गया था, लेकिन प्राचार्य ने गेस्ट टीचर का नाम भेज दिया गया। सीनेट चुनाव की तैयारी कर रही कमेटी के अध्यक्ष डॉ. एके श्रीवास्तव ने बताया कि प्राचार्य ने नाम भेजे थे, जिसे वोटर लिस्ट में जोड़ा गया है। अब गेस्ट टीचरों का नाम हटाकर नियमित शिक्षक को जोड़ा जाएगा।

विवि को आयोग से गणित के 39 असिस्टेंट प्रोफेसर मिले

मुजफ्फरपुर | बीआरए बीयू को गणित के 39 असिस्टेंट प्रोफेसर मिले हैं। बिहार राज्य विवि सेवा आयोग ने मेरिट के आधार पर विभिन्न कोटि के अभ्यर्थियों को आवंटित किया है। गणित में कुल 208 असिस्टेंट प्रोफेसर की नियुक्ति राज्य के विश्वविद्यालयों में की गई है। अनारक्षित वर्ग में 83 असिस्टेंट प्रोफेसर हैं। इनमें बिहार विवि को 20 मिले हैं। वहीं, इडब्ल्यूएस कोटि के 5, बीसी के 5, इबीसी के 7 व एससी के 2 शिक्षक हैं। विवि स्तर पर डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के बाद इन शिक्षकों को कॉलेज आवंटित हुआ।

स्कूली बच्चों को नशे के दुष्प्रभाव से बचाव के लिए 28 को विशेषज्ञ करेंगे जागरूक

पटना | सीबीएसई की ओर से स्कूली बच्चों को नशे के दुष्प्रभाव से अवगत कराने के लिये ऑनलाइन जागरूकता कार्यक्रम 28 अगस्त को आयोजित किया जाएगा। बोर्ड की ओर से आयोजित होने वाले इस ऑनलाइन जागरूकता कार्यक्रम में स्कूली बच्चे ऑनलाइन कैंपेन में भाग ले सकते हैं। बोर्ड की ओर से इस जागरूकता कार्यक्रम में भाग लेने के लिए वेबसाइट पर लिंक जारी कर दिया गया है।

Ref:.................... Date:..........................

HINDUSTAN , MUZAFFARPUR, DATE -27/08/2024, PAGE - 06

बीआरएबीयू : स्नातक के नए सत्र में शिक्षकों की कमी से परेशानी

विवि में दाखिले का रिकॉर्ड टूटा पर शिक्षक की कमी

हि विशेष

- विश्वविद्यालय में अतिथि शिक्षकों को मिलाकर कुल 980 शिक्षक
- 1.58 लाख दाखिले हुए, एक शिक्षक पर 162 विद्यार्थियों का जिम्मा

मुजफ्फरपुर, प्रमुख संवाददाता। बीआरएबीयू के कॉलेजों में इस वर्ष स्नातक के पहले वर्ष में रिकार्ड 1 लाख 58 हजार दाखिले हुए हैं, लेकिन छात्रों की पढ़ाई पर सवाल है। बीआरएबीयू और अतिथि शिक्षकों को मिलाकर 980 शिक्षक हैं। यानी बीआरएबीयू में 1 शिक्षक के जिम्मे 162 विद्यार्थी हैं।

बिहार विवि शिक्षक संघ के अध्यक्ष प्रो. अरुण कुमार का कहना है कि शिक्षा नीति के अनुसार 30 विद्यार्थी पर एक शिक्षक होना चाहिए। अगर बहुत समस्या है तो 30 की जगह 40 विद्यार्थी पर एक शिक्षक होना चाहिए, लेकिन बीआरएबीयू में इस आंकेड़े में चार गुणा का अंतर है। शिक्षकों का कहना है कि एडमिशन का रिकार्ड टूटा है पर छात्रों की पढ़ाई फंस गई है।

10 कॉलेजों में नहीं हैं विज्ञान के शिक्षक: बीआरएबीयू के 10 अंगीभूत कॉलेजों में विज्ञान के शिक्षक नहीं हैं। इन कॉलेजों में शिक्षक नहीं होने से बीएससी करने वाले छात्र प्रैक्टिकल नहीं करते हैं। मुजफ्फरपुर के एमएसकेबी कॉलेज में केमेस्ट्री में शिक्षक नहीं हैं। एसआरएपी कॉलेज बाराचकिया में गणित व फिजिक्स के शिक्षक नहीं हैं। घोड़ासहन के जवाहर लाल कॉलेज में भी विज्ञान के शिक्षक नहीं हैं। एमपी सिन्हा साइंस कॉलेज में बॉटनी विषय में भी एक भी शिक्षक नहीं हैं। इन कॉलेजों में विज्ञान में सैकड़ों छात्र हर साल दाखिला लेते हैं।

नामांकन के बाद सिर्फ जाते हैं परीक्षा फॉर्म भरने: छात्र सिर्फ परीक्षा का फार्म भर रहे हैं और कुछ नहीं। शिक्षक के नहीं होने से इन कॉलेजों में छात्र सिर्फ फार्म भरकर परीक्षा दे रहे हैं। एसआरएपी कॉलेज के प्राचार्य प्रो. वीरेंद्र सिंह ने बताया कि गणित, फिजिक्स, उर्दू, हिन्दी, अंग्रेजी और कॉमर्स में एक भी शिक्षक नहीं हैं। इन विषयों में 150-150 सीटें हैं। कॉलेज में शिक्षक के 35 पद हैं। आरसी कॉलेज सकरा की प्राचार्य प्रो. अमिता शर्मा ने बताया कि उनके यहां उर्दू और अंग्रेजी में एक भी शिक्षक नहीं हैं।

कला विषय के अतिथि शिक्षकों की बहाली रुकी

बीआरएबीयू में पिछले दिनों साइंस और कॉमर्स विषय में अतिथि शिक्षकों की बहाली की गई, लेकिन कला विषयों के अतिथि शिक्षकों की बहाली रुकी हुई है। लगभग 200 अतिथि शिक्षकों की बहाली होनी है। विवि अतिथि शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ. ललित किशोर का कहना है अतिथि शिक्षकों की बहाली के बाद कॉलेजों में शिक्षकों की संख्या कुछ बढ़ जायेगी। बिहार विवि में अभी 412 अतिथि शिक्षक पढ़ा रहे हैं, इनमें 380 कॉलेजों में हैं।